लूका ईसोपदेश 17 : 11 - 19

एक दिन यीशु एक गाँव में प्रवेश कर रहे थे, दस कोढ़ी व्यक्तियों ने उन्हें पुकारा "हे यीशु! हे स्वामी! हम पर दया करो।" यीशु ने सामान्य सा उत्तर दिया "जाओ और अपने आप को पादरी को दिखाओ।" और जैसे ही वे गए वे कोढ़ से मुक्त हो गए। उनमें से एक खुशी के मारे वापस यीशु के पास आया। उसने अपने आपको यीशु के पैरों में गिरा दिया और उन्हें धन्यवाद दिया। लेकिन यीशु दुखी हो गए क्योंकि अन्य नौ ने वापस आने और धन्यवाद करने की जरूरत नहीं समझी।

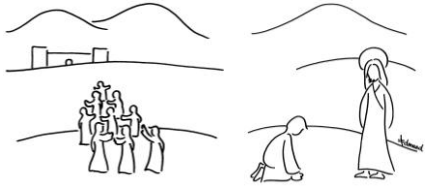

कभी कभी बीमार व्यक्तियों को अपने बीमारियों के बारे में - चिकित्सा कर्मचारियो से, परिवार से, नजदीकी मित्रों से बात करना चाहिये। परन्तु कभी कभी बीमार लोग बहुत लोगों से अपनी बीमारी के बारे में बहुत बाते करते हैं। हर समय वह जब वह ऐसी बातें करते हैं, वे अपने बीमारी को और स्थाई करते हैं। बेहतर यह होगा के हम बीमारी की जितना हो सके उपेक्षा करें बीमारी के बारे कम और यीशु के बारे में अधिक सोचें, महान उपचारक के बारे ज्यादा सोचें।

(*गॉड एट इवेनटाइड से उल्लिखित*, 20 जुलाई)